हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 31 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

1 से 9 अप्रैल तक आयोजित होंगे परीक्षण शिविर

मण्डला। रामनगर किले में सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु कैम्प लगाया जायेगा। दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण चिन्हांकन के लिए आगामी एक अप्रैल से 9 अप्रैल तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नगरपालिका मंडला, जनपद पंचायत मंडला एवं नगर परिषद बम्हनी बंजर के लिए शिविर का आयोजन जनपद पंचायत मंडला में एक अप्रैल को होगा। जनपद पंचायत नैनपुर व नगरपालिका नैनपुर के लिए जनपद पंचायत नैनपुर में 2 अप्रैल, जनपद पंचायत मोहगांव एवं जनपद पंचायत घुघरी के लिए शिविर का आयोजन जनपद पंचायत मोहगांव में 3 अप्रैल तथा नगर परिषद निवास एवं जनपद पंचायत निवास के लिए शिविर का आयोजन जनपद पंचायत निवास में 4 अप्रैल को किया जायेगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत मवई में 7 अप्रैल को, जनपद पंचायत बिछिया एवं नगर परिषद बिछिया के लिए अंजनिया में 8 अप्रैल को एवं जनपद पंचायत नारायणगंज व बीजाडांडी के लिए जनपद पंचायत बीजाडांडी में 9 अप्रैल को शिविर आयोजित किये जायेंगे। एडिप योजना के लाभार्थी मूल्यांकन परीक्षण शिविर में अपने साथ यूडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र अथवा बीपीएल राशन कार्ड, आवासीय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अनिवार्य रूप से अपने साथ रखेंगे। बीपीएल श्रेणी से संबंधित वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने का प्रमाण अथवा बीपीएल श्रेणी के अलावा अन्य वरिष्ठ नागरिक जिनकी सभी स्त्रोतों से मासिक आय रूपए 15 हजार से कम हो वह राजस्व विभाग, सांसद, विधायक अथवा ग्राम प्रधान द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र साथ लेकर उपस्थित हों।

हिन्दु नववर्ष पर निकली मातृशक्तियों की वाहन रैली

घट स्थापना के साथ बोये गये जवारे

*** शाम को नर्मदा तट पर लगी भारी भीड़।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

चैत्र नवरात्र के पहले दिन नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के देवी मंदिरों में भक्तों का सैलाब माँ दुर्गा की पूजन अर्चन के लिए लगा रहा। हर तरफ देवी मां के जयकारों और मंत्रोच्चार की गूंज रही। नगर के सिद्ध पीठों, देवी मंदिरों में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। हाथ में सिंदूर, नारियल, चुनरी और फूल-माला लिए कतार में खड़े श्रृद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए बारी-बारी से उनके दर्शन कर पूजा-अर्चन किये। पंडित विजयानंद शास्त्री ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि नवरात्र के दौरान मां दुर्गा का व्रत रखकर उनकी पूजा-अर्चना करने से देवी मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है। नवरात्र वर्ष में दो बार आते हैं। नवरात्र के पहले दिन माँ दुर्गा के पहले रूप शैलुपत्री और बाकी आठ दिन मां के अन्य रूपों की पूजा की जाती है।

हुई घट स्थापना

देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में शुभ मुहूर्त में घट स्थापना हुई। पहले दिन भक्तों ने मां शैल पुत्री की पूजा-अर्चना की। मंदिरों में सुबह से ही माता के दर्शनों के लिए भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था जो देर रात तक चलता रहा। श्रृद्धालुओं ने माता को जल अर्पित कर मंगल कामना की। देवी मंदिरों में विविध अनुष्ठान और भजन-कीर्तन शुरू हुए। भक्त 9 दिनों तक माता की आराधना में लीन रहेंगे। पहले दिन मां शैल पुत्री का विशेष श्रृंगार हुआ।

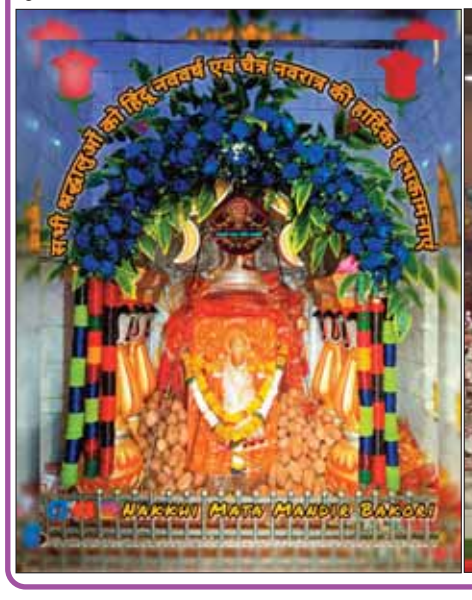

जल ढारने लगी रही कतार

सुबह से ही शहर की विभिन्न देवी मंदिरों, सिद्धपीठ में भक्तों की भीड़ जल ढारने के लिए लग गई। नगर की खैरमाई, सिंहवाहिनी मंदिर, रपटाघाट दुर्गा मंदिर, मरहाई माता मंदिर, काली मंदिर, पीपल घाट मंदिर, उपनगर के ज्वालाजी मंदिर, बूढ़ीमाई मंदिर, नीम वाली माता, खैरमाई मंदिर, सिद्ध पीठ शीतला मंदिर, बस स्टेंड खैरमाई मंदिरो समेत अन्य देवी के दरबारों में भक्तों की कतार जल ढारने लगी रही। यह क्रम 9 दिनों तक सभी देवी मंदिरों में चलेगा।

आज होगी माँ ब्रम्हचारिणी की पूजा

मां दुर्गा के उपासक और भक्त को अनंत कोटि फल प्रदान करने वाली मां ब्रहचारिणी की पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है। माँ दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रम्हचारिणी का है। माता ब्रह्मचारिणी का स्वरुप बहुत ही सात्विक और भव्य है। यहां ब्रम्ह का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। ब्रम्हचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं। पूर्व जन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात ब्रम्हचारिणी नाम से अभिहित किया गया।

सर्व जन हिताय शनि शांति यज्ञ शनि मंदिर में सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ज्योतिष मान्यता के अनुसार शनि ग्रह ढाई साल बाद, 29 मार्च को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में आए हैं। भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब भी शनि एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते हैं, तो कुछ राशियों के लिए शनि साढ़ेसाती, शनि ढैय्या और शनि महादशा शुरू होती है और कुछ राशियों के लिए यह समाप्त होती है

इस शनि गोचर का प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है। शनि ढैय्या, शनि साढ़ेसाती और शनि महादशा के अशुभ प्रभाव को दूर करने और शनि गोचर के दौरान, शनि ग्रह के अच्छे परिणाम पाने के लिए देश भर में प्रसिद्ध तीर्थों और मंदिरों में शनि देव की कृपा दृष्टि और शांति के लिए अनुष्ठान किए जाते हैं।

इस बार यह शनि देव के राशि परिवर्तन शनिश्चरी अमावस्या और शनिवार के दिन होने पर इसे दुर्लभ संयोग बताया गया है। जिसे देखते हुए 29 मार्च को नक्खी माई मंदिर परिसर में बने भव्य शनि नवग्रह मंदिर में सर्व जन हिताय हेतु यज्ञ और अनुष्ठान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। शनिवार को शनिदेव और नवग्रहों को जल, पंचामृत और तेल से अभिषेक कर नए वस्त्र और आभूषण धारण कराने के उपरांत नीले पुष्प काले तिल उड़द, बड़े, काले वस्त्र, काले अंगूर आदि चढ़ाकर पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शनि भक्तों ने शनि शांति हेतु यज्ञ में आहुतियां डालीं और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। शाम को भक्तों ने शनि की शांति एवं पितरों की शांति के लिए पीपल पर घी के दीपक जलाए और 51 दीपों के द्वारा महाआरती की गई। शनि देव की पूजा अर्चना और यज्ञ अनुष्ठान पण्डित प्रमोद शुक्ला द्वारा विधि विधान से सम्पन्न कराया गया।

हमें अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़े रहना होगा-संजय कुशराम

*** आरडी कॉलेज में विक्रमोत्सव का हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

चैत्र प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 नव संवत्सर पर विक्रमोत्सव का आयोजन आरडी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। कोटि सूर्योपासना के इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने कहा कि विक्रम संवत हम भारतीयों का अपना कैलेंडर है। हमें अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़े रहना होगा। हमारी सभी प्रकार की तिथियों और मुहूर्त की गणना विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार ही की जाती हैं। सम्राट विक्रमादित्य हमारे इतिहास का गौरव रहे हैं। मध्यप्रदेश की सरकार अपनी संस्कृति और परंपराओं से लोगों को जोड़े रखने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, ऐसे आयोजन हमें गौरवान्वित करते हैं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, एसी ट्रायबल श्रीमती वंदना गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती अम्बेश्वरी बैरागी, सरपंच बड़ी खैरी श्रीमती सीमा गोंटिया, विभागीय अधिकारी एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन एवं ब्रम्हध्वज लगाकर की गई। इसके बाद लोक राग समिति जबलपुर के कलाकारों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवनवृत पर लघुनाटिका का प्रदर्शन किया जिसका उद्देश्य लोगों को सम्राट विक्रमादित्य के जीवन से परिचित कराना था। एसी ट्रायबल श्रीमती वंदना गुप्ता ने विक्रमोत्सव कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सूर्योपासना के साथ-साथ आज उज्जैन के महाकाल मंदिर के शिखर पर ब्रम्हध्वज लगाया गया। साथ ही सारे प्रमुख मंदिरों एवं संस्थाओं में ब्रम्हध्वज लगाकर विक्रमोत्सव मनाया जा रहा है।

हाईकोर्ट के जस्टिस संजीव सचदेवा का कलेक्टर-एसपी ने किया आत्मीय स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव सचदेवा का अल्प प्रवास पर मंडला आगमन हुआ। सर्किटहाउस में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने जस्टिस श्री संजीव सचदेवा का पौधा भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। औपचारिक मुलाकात के बाद अधिकारी द्वय द्वारा जस्टिस को मंडला की सुप्रसिद्ध गोंड़ी पेंटिंग भी भेंट की गई। इस दौरान जिला प्रधान न्यायाधीश श्री कमल जोशी, विशेष न्यायाधीश आरके रावतकर, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार मंडला श्री हिमांशु भलावी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

पर्व | **वाहन रैली, आरती, पूजा, अरदास और शोभायात्रा के साथ हुए आयोजन।**

श्रृद्धा भक्ति के साथ मनाया गया चैट्रीचण्ड महोत्सव

*** शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सिंधी समाज के इष्ट देव वरुण अवतार भगवान श्री झूलेलाल सांई का जन्म दिवस चैटीचण्ड्र महोत्सव के रूप में सिंधी समाज के द्वारा भक्ति भाव से मनाया गया, पूज्य सिंधी पंचायत,सिंधु नवयुवक मंडल एवं मातृशक्ति संगठन के द्वारा विविध आयोजन किए गए, आयोजन की श्रृंखला में एक सप्ताह पहले गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ आरंभ किया गया जो कि नियमित रूप से पाठन किया गया, पंडित रानूनाथ शर्मा की मौजूदगी में भगवान श्री झूलेलाल सांई जी का जल अभिषेक किया गया,तत्पश्चात झूलेलाल सांई जी का श्रृंगार किया गया,श्री गुरुद्वारा साहिब में भजन कीर्तन, आरती, पूजा के साथ सभी परिवारों की सुख शांति के लिए अरदास की गई,सामाजिक जनों के द्वारा इस अवसर पर नाच गायन करते हुए जन्मोत्सव की बधाइयां दी गईं, साप्ताहिक पाठ का भोग का कार्यक्रम संपन्न हुआ,सामाजिक जनों के द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब पर चोला चढ़ाया गया। इस अवसर पर सामाजिक सदस्यों की मौजूदगी में भाई साहब हरनाम उदासी के द्वारा पल्लव पूजा का कार्यक्रम संपन्न हुआ,तत्पश्चात आम लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी शामिल जनों ने प्रसादी ग्रहण की।

वाहन रैली का जगह जगह हुआ स्वागत

सुबह सामाजिक जनों के द्वारा विशेष ड्रेस कोड के साथ वाहन रैली निकाली गई जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया।वाहन रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः गुरुद्वारा साहिब में विराम ली, रैली भगवान झूलेलाल सांई के जयकारों के साथ गुंजायमान रही, वाहन रैली का आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया।जगह जगह स्वागत में स्वल्पाहार का आयोजन भी किया गया, वाहन रैली में बड़ी संख्या में पुरुष,महिलाएं और बच्चे शामिल हुए,युवाओं में बहुत उत्साह देखा गया।

भगवान श्री झूलेलाल की झांकी के साथ निकली शोभायात्रा

सायंकाल में श्री बहिराणा साहब का पूजन अर्चन किया गया एवं विशाल शोभायात्रा निकाली गई, भगवान झूलेलाल,संत कंवर राम एवं महापुरुषों की आकर्षक झांकियां से सुसज्जित,बैंड बाजे सहित विशाल शोभायात्रा गुरु के जयकारों के साथ गुंजायमान रही, शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत सत्कार किया गया एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई,शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए मां नर्मदा के पावन तट पर गुरु अरदास एवं पल्लव पूजा के साथ संपन्न हुई।

विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का हुआ सम्मान

विश्व हिंदू परिषद के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष एवं समाज के गणमान्य नागरिक अधिवक्ता मनोज फागवानी एवं उपाध्यक्ष शक्ति क्षेतीजा का पूज्य सिंधी पंचायत के सदस्यों के द्वारा शाल पहनाकर सम्मान किया गया, सनातन संस्कृति के अनुरूप नई जवाबदारी के लिए उनके उज्जवल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गई।

दो दिवसीय उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में स्काउटर और गाइडरों ने किया सेवा कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पतित पावनी माँ नर्मदा और श्री व्यास नारायण महादेव की विशेष कृपा से दिनांक 27 एवं 28 मार्च 2025 को उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का सामूहिक आयोजन किया गया जिसमें सभी श्रद्धालुओं को परिवार सहित आमंत्रित किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में मंडला जिला के श्रद्धालुओं के साथ ही अन्य जिलों और अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। भीड़ को नियंत्रित करने एवं आवश्यक सहयोग हेतु सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मंडला पदेन जिला कमिश्नर स्काउट मंडला वंदना गुप्ता के निर्देशानुसार जिला स्काउट प्रभारी दिनेश कुमार दुबे के नेतृत्व में जिले के स्काउटर और गाइडरों को तैनात किया गया जिन्होंने बेहतरीन सेवा कार्य किया जिससे उत्तरवाहिनी नर्मदा परिकृमा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ज्ञात हो कि चैत्र मास में किसी भी उत्तरवाहिनी प्रवाह में पांच कोष से अधिक चलना पूर्ण परिकृमा का पुण्यफल देता है। इस सेवा कार्य में रजनी सिलेकर जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड मंडला, प्रीति मसराम जिला संगठन आयुक्त गाइड मंडला, जिला कोऑर्डिनेटर (क्लेप) मंडला लोक सिंह पदम, एडवांस गाइड कैप्टन लीमा कुजूर, गाइडर दीप्ति खरे,गाइडर पुष्पलता मरावी, स्काउटर मनोज कुड़ापे, स्काउटर प्रेम मार्को, स्काउटर सुनील पटैल, नंदकिशोर ठाकरे, मनसा प्रधान, प्रियांशु यादव, आनंद पटेल, राजेश नंदा, दिनेश यादव एवं अन्य स्काउटर और गाइडर ने सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर सेवा कार्य किया। उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा में हाई स्कूल घाघा की व्यवस्था देखने पहुंचीं सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग मंडला वंदना गुप्ता एवं क्षेत्र संयोजक विष्णु सिंगौर आरती में शामिल होकर मैया जी से प्रार्थना की। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी केबिनेट मंत्री संपतिया उइके दीदी ने भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा जनहित में प्रचारित स्लोगनों को महत्व देते हुए स्काउटर एवं गाइडर के साथ फोटो खिंचवाई एवं नर्मदा परिक्रमा में सेवा कार्य हेतु उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमावासियों पर पुष्पों की वर्षा के साथ शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम की सफलता हेतु जिला मुख्य आयुक्त मंडला डॉ. संजय तिवारी, जिलाध्यक्ष मंडला अजय खोत, जिला उपाध्यक्ष मंडला गीता काल्पीवार, जिला उपाध्यक्ष मंडला डॉ. स्वल्पा बड़गैया, जिला उपाध्यक्ष मंडला डॉ. उपेंद्र शुक्ला, सुरेश चौधरी,के के पटैल जिला उपाध्यक्ष मंडला कल्पना नागेश्वर, जिला कब कमिश्नर मंडला अखिलेश चन्द्रोल, जिला रेंजर कमिश्नर मंडला सावित्री सांड्या, जिला गाइड कमिश्नर मंडला रश्मि बाजपेई, मनोज तिवारी एवं अन्य जिला पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

खबर संक्षेप

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई....?

सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और यदि बीते हुये पंचायती राज में सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठने से नही चूक पा रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है।

हूटर लगी गाड़ियों का खुलेआम हो रहा दुरूपयोग, प्रशासन के नजरअंदाज किये जाने के कारण हो रहे नगरवासी परेशान?

गाडरवारा। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? वही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आह्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है, वही स्कूल वाहनों में लगे प्रेशर हार्न से स्कूली बच्चों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाडा जाता है।

पुलियों से लेकर सड़क में अनेक जगहों पर निकलते हुये लोहे की राड आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने के साथ अधिकारियों की भूमिका पर खड़े कर रही सवाल..?

करोड़ों की लागत से बनाई गई सूखाखैरी बारहाबड़ा से सालीचौका सीमेन्ट सड़क के निर्माण में हुई गफलतबाजी की सच्चाई चंद वर्ष में ही होने लगी उजागर

बारहाबडा

भले ही देश व प्रदेश में बैठे हुये नेताओं द्वारा लगातार बढ रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिये कितने ही प्रयास क्यों न किये जावे। मगर यदि प्रशासन तंत्र में बैठे हुये छोटे से लेकर बड़े अधिकारी शामिल हो तो शायद ही इस पर अंकुश लग पाना संभव नही हो पता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम सूखाखैरी से होते हुये बारहाबड़ा से निकलकर सालीचौका पौड़ार तिरहा तक लगभग 76 करोड़ रूपया की राशि से लगभग तीन वर्ष पहले बनाई गई सीमेन्ट सड़क में देखने मिल रहा है..? बताया जाता है कि इस सड़क का निर्माण कार्य हुये लगभग तीन साल का समय ही निकला होगा और यह सीमेन्ट सड़क जहां तहां जिस तरह टूटते हुये पुलियों के बीचों बीच निकल रही लोहे की राडे वाहन चालको की जिन्दगी को खतरा पैदा तो कर ही रही है दूसरी ओर इस सड़क के निर्माण कार्य में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी को उजागर करने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर इस सड़क निर्माण से संबंधित उन अधिकारियों की पोल भी खुलने से नही चूक पा रही है कि आखिरकार उनके द्वारा जिस आधार पर इस सड़क निर्माण कार्य को लेकर अपनी संतुष्टि प्रदान करते हुये कार्य को सही बताते हुये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को भुगतान कर डाला है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के दौरान ही जिस तरह गफलत बाजी दिखाई देना शुरू हो गया था उस सच्चाई को को हरिभूमि द्वारा लगातार प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी अधिकारी द्वारा ध्यान देना उचित नही समझे जाने से लग रहा है कि शायद लक्ष्मी पूजन के आर्शीवाद के चलते अधिकारी भी मग्न हो चुके है? वैसे भी यदि इस सड़क निर्माण कार्य की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शुरूआती तौर से ही इस सड़क के निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता पर सबाल खड़े होने लगे थें? जब सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत करते हुये वक्त कुछ पुलियों का निर्माण कार्य ही हो पाया था कि और ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही हो जाने के कारण उसमें काम करने वाले कुछ मजदूरों को चोटे भी आई हुई थी। वही दूसरी ओर इस सीमेन्ट सड़क निर्माण के दौरान की धराशाही हुई पुलिया ने जहां सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सबाल खड़े कर दिये गये थें। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता की कहानी को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर करते हुये संपूर्ण सच्चाई से अधिकारियों को समय समय पर अवगत कराया जाता रहा है। मगर कहा जाता है कि जहां लक्ष्मी पूजन का प्रभाव होता है वहां पर जिम्मेदार अधिकारियों को भी आम के पेड़ में इमली लगी हुई दिखाई देने से नही चूक पाती है और शायद यही हाल इस सड़क के निर्माण कार्य की देख रेख में लगे हुये जिम्मेदार अधिकारियों का देखने मिला है जो सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता को निर्माण के दौरान पूर्णरूप से नजर अंदाज करते हुये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को अपनी ओर से छूट प्रदान करने से नही चूक होगे जिसके चलते यह सड़क जहां निर्माण के दौरान ही जहां तहां से टूटते हुये नजर आने लगी थी और इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को अपनी ओर से प्रदान किये गये संतुष्टि प्रमाण पत्र के चलते निर्माण कार्य का भुगतान हो गया और अपने निर्माण के चंद यानि की मात्र दो तीन साल के अंदर ही यह सड़क जहां तहां से टूटने के साथ पुलियों की और निकल रही लोहे की राड़े वाहन चालकों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूक रही है। बताया जाता है कि जब सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था उसी समय ग्राम बारहाबड़ा से सूखाखैरी के बीच इस सड़क के निर्माण के दौरान एक पटरी का कार्य ही हो पाया था और दूसरी पटरी का निर्माण कार्य होना शेष था और सड़क टूटना शुरू हो गया था। इस प्रकार से सही मायने में देखा जावे तो इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण भी नही हो पाया था और ग्राम बारहाबड़ा से सिंहपुर छोटा तथा ग्राम आंडेगांव व सूखाखैरी के बीच निर्मित सड़क ही अनेक जगहों से टूटते हुये दिखाई देने लगी थी। इस सच्चाई को उस समय हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि लगभग 76 करोड़ की लागत से बनी हुई इस सड़क मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात साबित होने से नही चूक रही है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस सोच के चलते क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं द्वारा इस क्षेत्र में निवास करने वाले ग्रामीणों की सुविधाओं को ध्यान को रखते हुये दिन रात एक करते हुये इस सड़क को स्वीकृत कराने के बाद शासन द्वारा इस सड़क निर्माण के लिये करोड़ो रूपया खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर संबंधित विभाग से जुडे हुये अधिकारियों से लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण के नाम पर जिस प्रकार शासकीय धन की होली खेलते हुये सड़क का निर्माण कार्य किया था और वह सड़क जब अपने निर्माण के मात्र दो तीन वर्ष भी नही चल सकी तो फिर यह अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि इस सड़क के निर्माण में हुई गफलत की मलाई में कितने हिस्सेदार रहे होगे की लगातार आवाज उठाये जाने के बाद भी किसी तरह की कार्यवाही नही हो सकी और करोड़ो की राशि की खुलेआम होली खिल जाने के कारण क्षेत्र की जनता को परेशानियों का सामना करते हुये अपनी जिन्दगी को खतरे में डालने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? यदि सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी और इस विभाग के जुडे हुये उन अधिकारियों से लेकर क्षेत्र की छुटभैया नेताओं के चेहरे भी उजागर हो जावेगे जो इस प्रकार गुणवत्ता को दर किनार सड़क निर्माण का कार्य करने वाली कंपनी को अपना अघोषित रूप से संरक्षण देने से नही चूके है? इस प्रकार से सरकार के लगभग 76 करोड़ रूपया की राशि से निर्मित होने वाली इस सड़क जिस प्रकार से अपने निर्माण के मात्र दो वर्ष बाद ही टूटना शुरू हो गई है उसकी गुणवत्ता को लेकर जांच कराई जाने की मांग उठाई जा रही है।

एनटीपीसी से राख परिवहन करने वाले भारी भरकम डंपरों की धमाचौकड़ी को लेकर दादा धूनी की नगरी में चिंगारी सुलगने की हुई शुरूआत, नगर परिषद अध्यक्ष सहित नगवासियों ने सौंपा ज्ञापन

सांईखेडा। इन दिनों जिस तरह से क्षेत्र की सड़कों पर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मची हुई देखी जा रही है उसका परिणाम है कि जहां क्षेत्र की सड़के तो खराब हो ही रही है। वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक रहा है। इन डम्फरों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो गाडरवारा क्षेत्र में स्थापित एनटीपीसी पावर प्लांट से निकलने वाली राख को जिस तरह बाहरी ठेकेदारों द्वारा अपनी भारी भरमक डम्फरों के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है उसका लगातार क्षेत्र में विरोध होने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि राख के परिवहन में जिस क्षमता के डम्फर सड़को पर दौड़ते हुये देखे जा रहा है । इनती समक्षता की न तो क्षेत्र की सड़के बनी हुई है और न ही सड़को की चौड़ाई है। इस स्थिति में जहां नगर में अंदर आये दिन जाम की स्थिति बनने के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी को खतरा बनने से नही चूक पा रहा है। बताया जाता है कि एनटीपीसी से राख का परिवहन करने वाले यह डम्फर पहले गाडरवारा से निकलते हुये ककरा घाट मार्ग से निकलते हुये देखे जाते थें। मगर बीते हुये कुछ दिनों पहले राख परिवहन करने वाली भारी भरकम डम्फर की चपेट में आने के चलते दो युवकों की मौत होने के चलते क्षेत्रवासियों द्वारा इन डम्फरों की धमाचौकड़ी का जब शासन प्रशासन के समक्ष विरोध किया गया तो इन डम्फरों को डायवर्ड करते हुये अब सांईखेड़ा मार्ग से निकलना शुरू कर दिया गया है। जबकि सांईखेड़ा नगर की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो नगर के बीचों बीच से यह डम्फर निकलते हुये देखे जा रहे है। जिस मार्ग से यह डम्फर अपनी धमाचौकड़ी मचाये हुये है। उसी मार्ग प जहां साप्ताहिक बाजार तो लगता ही है। दूसरी ओर यही पर नगर परिषद कार्यालय, तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय सहित पुलिस थाना पड़ता है। इस स्थिति में दिन भर यहां पर भीड़ का आलम रहने के चलते किसी दिन बड़ी घटना की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही दूसरी ओर मुख्य बाजार में जाम की स्थिति निर्मित होना तो आम बात बन चुकी है। इतना ही नही इस समय इसी मुख्य मार्ग पर वर्तमान समय में दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में 21 दिवसीय मेला व शिव महापुराण सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम चलते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में नगर के बीचों बीच से गुजरने वाले यह हाईवा डम्फर नगरवासियों के लिये पुर्णरूप से खतरे की घंटी बजाने से नही चूक रहे है। इस तरह नगर के अंदर से खुलेआम मौत का सायरन बजाते हुये एनटीपीसी की राख परिवहन करने वाले इन डम्फरों के खिलाफ दादा धूनी वालों की नगरी में विरोध की चिंगारी उठाते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है जो किसी दिन शोला बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। नगर के अंदर से धमाचौकड़ी मचाने वाले इन डम्फरों पर अपना विरोध दर्ज कराते हुये नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति अग्रवाल सहित नगर के अन्य लोगों ने एकत्र होकर थाना प्रभारी प्रकाश पाठक को ज्ञापन सौपा गया। बताया जाता है कि सौपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि राखड से भरे हुये बडे बडे वाहन सांईखेड़ा स्टेट हाईवे 44 से निकलने लगे है। जबकी यहां की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार से है कि नगर का पूरा बाजार इसी हाईवे पर करीब तीन से चार किलोमीटर में फैला हुआ है। वही इसी मार्ग पर स्कूल, बैक, नगर परिषद कार्यालय, पुलिस थाना सहित अन्य शासकीय कार्यालय स्थापित है। शासन प्रशासन द्वारा रूट चेंज किये जाने के कारण राखड एवं एनटीपीसी के बडे बडे वाहन 24 घंटे इसी रोड से निकल रहे है। इन भारी भरकम हाईवा डम्फरों के चलते जाम की स्थिति बनना तो आम बात हो चुकी है। मगर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। इसी के चलते मांग की जाती है कि राख परिवहन करने वाले इन डम्फरों को क्षेत्र के अन्य किसी मार्ग से संचालन करने की पहल की जावे। सौपे गये इस ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक गाडरवारा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गाडरवारा को भी भेजी गई है। इस प्रकार से एनटीपीसी में चलने वाले यह डम्फर अब धीरे धीरे संपूर्ण क्षेत्र के लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहे है और हर जगह से विरोध की चिंगारी भड़कते हुये दिखाई देने लगी है।

समय पर राशि का भुगतान न होने के चलते दम तोड़ते हुये नजर आने लगे सांझा चूल्हा, उधारी से काम चल रहे समूह बन रहे कर्जदार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह अब दम तोड़ते हुये नजर आने आने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि शासन की इस योजना से बच्चों को लाभ तो मिल रहा है वही दूसरी ओर इनके संचालन की जिम्मेदारी समूहों के हाथों में होने के चलते अनेक लोगों को रोजगार भी प्राप्त हो रहा है। मगर इसके सही संचालन को लेकर अधिकारियों की अनदेखी कही जावे या फिर सरकार की बेरूखी का परिणाम जिसके चलते यह सांझा चूल्हा दम तोड़ते हुये नजर आने से नही चूक पा रहे है? बताया जाता है कि इस योजना के तहत शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के आलवा आंगनबाडी केन्द्रो के बच्चों को पोष्टिक आहार दिया जाता है जिसमें निर्धारित दिवस पर अलग अलग प्रकार का भोजन देने की व्यवस्था समूहो के हाथों में होती है। मगर कहा जाता है कि इन समूहों को यदि समय पर राशि नही मिलेगी तो फिर यह गरीब बच्चों को भोजन कैसे उपलब्ध करा पायेगे? इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर समय पर राशि उपलब्ध नही होने के कारण भोजन प्रदान करने वाले समूहों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करते हुये कर्जदार बनते हुये देखा जा रहा है। इस संबंध में जब कुछ समूहों के संचालको से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हमे अनेकों बार समय पर राशि का भुगतान नही है और दूसरी ओर लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में आज भी दस वर्ष पहले की दर पर भुगतान किया जाता है। इस स्थिति में हम लोग बच्चों को किस तरह भोजन प्रदान कर रहे हे इस बात की सच्चाई न तो सरकार में बैठे हुये जिम्मेदार जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया है। समय पर राशि नही मिलने के कारण हम लोगों को किराना सहित अन्य जरूरी सामग्री दुकानों से उधार लेकर बच्चों को किसी तरह भोजन तो उपलब्ध करा देते है। मगर राशि के आभाव में जब दुकानदार बार बार उधारी मांगते है तो हम लोगों के लिये परेशानी का कारण बन जाता है। हम शासन प्रशासन से मांग करते है कि इस समय महंगाई का जो दौर चल रहा है उस आधार पर हम समूह बालों को राशि स्वीकृत करते हुये समय पर प्रदान की जावे जिससे हम बच्चों को निर्धारित माप दंडों के आधार पर भोजन उपलब्ध करा सके। बीते हुये गणतंत्र दिवस के मौके पर हम लोगों को काफी उम्मीद थी कि शायद सरकार द्वारा हम लोगों को दस साल पुराने रेट पर प्रदान की जा रही राशि में कुछ इजाफा करने की घोषणा की जावेगी मगर इस ओर ध्यान नही नही दिया गया जिससे हम लोगों के दिलों के अरमान दिलों में ही समा कर रह गये...? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि दस साल पुराने रेट पर हम बच्चों को पोष्टिक आहार कैसे उपलब्ध कराये वह भी समय पर नही मिलने के कारण हम लोग उल्टे कर्जदार और बनते चले जा रहे है।

सोफिया कॉन्वेंट हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम हुआ घोषित, बच्चों की सफलता पर अभिभावकों के चेहरों पर खुशी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जब बच्चे साल भर स्कूलो में पढ़ाई करते है और परीक्षा के उपरांत उनके अभिभावकों को अपनी बच्चों के परीक्षा परिणाम के लिये काफी उत्साहित होते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस नगर की अग्रेंजी माध्यम शिक्षण संस्था सोफिया कॉन्वेंट में उस समय देखने मिला जब संस्था द्वारा अपने बच्चों का परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने के दौरान मौजूद छात्र छात्राओं के साथ साथ उनके अभिभावकों में भी काफी उत्साह का महौल निर्मित होने से नही चूक रहा था। बताया जाता है कि बीते हुये 29 मार्च शनिवार को सोफिया कॉन्वेंट हाई स्कूल द्वारा अपनी संस्था का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस मौके पर सबसे पहले संस्था प्रमुख द्वारा छात्र छात्राओं सहित अभिभावकों की मौजूदगी में माँ सरस्वती पूजन करने के बाद परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। घोषित किये गये परीक्षा परिणाम में इस साल कक्षा पांचवी और कक्षा आठवी के वोर्ड परीक्षा में कक्षा आठवी में अंजली कौरव ने 95 प्रतिशत अंक लेते हुये प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की गई। वही कक्षा पांचवी में मयंक कुशवाहा द्वारा 87 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया गया है। इसके आलवा अन्य कक्षाओं में नर्सरी से दिवांशी शर्मा के जी में प्रथम, कुणाल जाटव द्वितीय तथा के जी सेकेण्ड से सोनाली कौरव तृतीय से नवीशा गौस्वामी, कक्षा चौथी से शिवाली यादव, कक्षा छटवी में निहारिका, कक्षा सातवी में प्रियांशु साहू और कक्षा नवमी में मंजरी कौरव ने अपनी अपने कक्षाओं में सर्वाधिक अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस मौके पर संस्था प्राचार्य सचिन कोष्ठी के आलवा जीतू बंसल तथा संस्था के संचालक रमाकांत कौरव सहित शिक्षकों द्वारा छात्र छात्राओं को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुये उज्जबल भविष्य की कामना की गई।

संघ के स्वयं सेवको द्वारा तिलक बंदन के साथ मनाया हिन्दू नव वर्ष

गाडरवारा। हमारे देश की संस्कृति को भुलते चली जा रही युवा पीढ़ी को जागरूक करने की जरूरत महसूस होने लगी है। क्योंकि युवा पीढ़ी जिस तरह 1 जनवरी को नया वर्ष मनाते हुये लाखों रूपया खर्च कर देती है मगर सही मायने में देखा जावे तो हमारा नया वर्ष चेत्र नवरात्र से शुरू होती है। इस तरह हमारी संस्कृति को भुलने वाले युवा पीढ़ी को जागरूक करने की सोच रखते हुये बीते हुये रविवार को संघ के स्वयं सेवको द्वारा हिन्दू नववर्ष चैत्र की प्रतिपदा की पावन बेला एवं गुड़ी पड़वा के अवसर पर नगर के हृदय स्थल झंडाचौक सहित नगर के अन्य स्थानों पर मौजूद लोगों सहित राहगीरों को तिलक लगाते हुये नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाये दी गई। इस मौके पर नगर के वरिष्ठ स्वयं सेवकों के साथ साथ अन्य लोग भी मौजूद थें।

गांव में कीचड़ का साम्राज्य, स्वार्णिम म.प्र. बनने की सपने पर लग रहा ग्रहण?

गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र में बैठी सरकार द्वारा ग्रामों के विकास के लिए मनमानी धनराशि भेजकर उनकी सूरत बदलने की सोच बनाये हुए है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि धन राशि खर्च होने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति नही बदल पाने के कारण जहां देश के मुखिया द्वारा देश को स्वच्छ बनाने के सपने पर पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधि व अधिकारियों द्वारा ग्रहण लगाया जा रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों को बदहाल स्थिति में जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत में सड़को के निर्माण सहित अन्य कार्यो के लिए काफी मात्रा में धनराशि खर्च की गई है, जिसके खर्च होने के बाद भी आज गांव की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों को घुटना घुटना कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव में कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने के कारण जहां जनप्रतिनिधियों की कार्य शैली पर सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर जनपद में बैठे अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध बनने से नही चूक पा रही है? क्योंकि पंचायत के विकास कार्यों में हो रही गफलत बाजी की शिकायत जब अधिकारियों से की जाती है तो उनके द्वारा भी शिकायतों को नजर अदांज करते हुए अनदेखी कर दी जाती है, जिसके चलते जहां आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर प्रदेश को स्वच्छ बनाने का देश के मुखिया के सपने को भी अधिकारियों की मिली भगत से पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों द्वारा पलीता लगाया जा रहा है।

किसानों के खेतों से कृषि सामग्री चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में असफल हो रही है पुलिस

सड़ूमर। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखी ही जा रहे है, मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय पड़ रही ठंड के चलते जहां किसान अपने खेतों में पहुंचने को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है, मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यों में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है..? इस प्रकार की सच्चाई आये दिन क्षेत्र में देखने मिल रही है जहां पर जब पीड़ित कोई किसान पुलिस थानों में अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है तो वहां पर सिर्फ आवेदन लेते हुये उसे चलता बना दिया जाता है। इस स्थिति में चलते चोरों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पा रहे है, इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी का प्रमुख कारण युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति का कारण माना जा रहा है जो अपना शोक पूरा करने के लिये इस प्रकार से चोरियों को अंजाम देने से नही चूक रहे है, क्योंकि इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में धडल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है, क्योकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है और उसे पूरी करने के लिए युवाओं के पास जब धन का आभाव होता है तो वह इस प्रकार से चोरी जैसे कदम उठाते हुए अपनी लत को पूरी करने से नही चूकते है? मगर इस अवैध कारोबार को जिस प्रकार से पुलिस द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते पुलिस की भूमिका पर भी संदेह के बादल मडराने से नही चूक पा रहे है।

खबर संक्षेप

नमामि ने तीसरी कक्षा में किया टॉप

डिंडौरी । जिला मुख्यालय में संचालित निजी विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा नमामि सिंह ठाकुर पिता श्री दीपू ठाकुर ने कक्षा 3 में सर्वाधिक अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया । इनकी सफलता पर विद्यालय प्रबंधन ने सम्मानित किया एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद ने किया श्रमदान

अनूपपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अनूपपुर के द्वारा मुख्यमंत्री एवं जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव के आहान पर प्रदेश भर में जल संरक्षण हेतु चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सोन नदी मे सामुहिक श्रमदान किया गया। इस दौरान नदी के बरबसपुर तट पर फैले कचरे की सफाई हेतु कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल की अगुवाई में जन अभियान परिषद की टीम ने नदी में फैली प्लास्टिक, गाद को खत्म करने हेतु श्रमदान किया। विगत दिवस जल गंगा संवर्धन अभियान की बैठक मे कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा सोन नदी में लगातार बढ़ती हुई गन्दगी को देखते हुए जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सामुहिक साप्ताहिक स्वच्छता श्रमदान चलाने के निर्देश दिए गए थे। श्रमदान कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय, ब्लाक समन्वयक फते सिंह, अनूपपुर विकासखंड के सभी परामर्शदाता व सी एम सीएलडीपी छात्र, नवांकुर प्रतिनिधि, प्रस्फुटन समिति सदस्य समाजसेवी अरुण सिंह, फुक्कू सोनी उपस्थित रहे। जल गंगा सवर्धन अभियान का प्रमुख उदेश्य जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करना व जल स्त्रोतों के रख रखाव प्रति आम जन को जागरूक करना है। नदी देवी स्वरूपा होती है, हम इसमे आते जाते कचरा न डाले हमेशा इसे स्वच्छ व निर्मल रखें जल है तो कल है जल ही जीवन है।

एक गोबरी एवं दो हाथी ने धनगवां के जंगल में जमाया डेरा, रात में फसलों को रहे खाते

अनूपपुर। शनिवार की शाम दो नए मेहमान हाथी छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार करते हुए अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत एवं बीट चोलना में प्रवेश कर रात भर चोलना, बचहाटोला, कुकुरगोड़ा गांव में चलते हुए ग्राम पंचायत के क्योटार के कुशुमहाई गांव से लगे जंगल में पहुंचकर रविवार के दिन विश्राम कर रहे हैं वही एक दांत वाला नर हाथी शनिवार की ग्राम पंचायत गोबरी के गोबरी के जंगल से निकलकर तीन-चार घंटे तक निरंतर ठाकुबाबा के पास स्थित सुखीलाल राठौर के खेत में लगे गेहूं की फसल को आहार बनाता हुआ गोबरी गांव के मोहल्लों से ग्राम पंचायत पगना के बांका गांव की सीमा तक विचरण करते जाते हुए रविवार की सुबह फिर से वापस आकर ठाकुरबाबा के पास स्थित गोबरी गांव के जंगल में विश्राम कर रहा है वनविभाग के अधिकारी/कर्मचारी हाथियों के विचरण पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं तथा ग्रामीणों को सचेत तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

जेएमएस कैंप में मिशन नचिकेता के तहत किया आयोजन

धनपुरी। महाप्रबंधक सोहागपुर क्षेत्र पी.श्रीकृष्णा के निर्देशानुसार, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वीटीसी) सोहागपुर क्षेत्र ने खैरहा तथा बंगवार के जेएमएस वर्कर्स के लिए दो दिवसीय स्पेशल ट्रेनिंग कैंप का आयोजन 27 मार्च को जेएमएस कैंपस खैरहा, राजेंद्रा में, एटीओ प्रकाश पाटले एवं गोविंद सिंघल, असिस्टेंट मैनेजर के कुशल नेतृत्व में किया । यह कैंप जेएमएस वर्कर्स को नए सीएम मशीन के लिए तैयार करने एवं उनको सुरक्षा संबंधित जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया।

चैत्र नवरात्र के शुभांरभ अवसर पर राजा विक्रमादित्य सूर्य उपासना कार्यक्रम संपन्न

डिंडौरी । जिला प्रशासन के द्वारा कलेक्ट्रेट प्रांगण ऑडिटोरियम सभा कक्ष में विक्रामोत्सव 2025 के अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, जनपद अध्यक्ष डिंडोरी आशा सिंह सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र राजपूत पूर्व अध्यक्ष अवध राज बिलैया महामंत्री पंकज तेकाम जिला पंचायत सदस्य हीरा परस्ते चमरू सिंह नेताम मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला नोडल अधिकारी रति सिंह कार्यक्रम के समन्वयक विनोद कांशकार रामजीवन वर्मा आशीष पांडे आनंद मोर्य रामरतन मार्को आदि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। मंच संचालन संजय तिवारी शिखा सिंह ठाकुर के द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। सूर्य उपासना कार्यक्रम का शुभारंभ विक्रमादित्य के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं ब्रहम ध्वज फहराते हुए सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन नाट्य दल दुर्गेश सोनी दर्पण रंग समिति, जबलपुर के कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। आज हिन्दु रीति-रिवाज के अनुसार विक्रम संवत एवं चैत्र नवरात्रि का पर्व बहुत बड़ा त्यौहार है, जो 9 दिन तक गांव, शहर एवं जिला मुख्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। भारतवर्ष को विदेशी आक्रांताओं से मुक्त कराने वाले उज्जयिनी के प्रतापी राजा सम्राट विक्रमादित्य की महाविजय और राष्ट्र गौरव की पुनस्थापना का कालजयी अभिनंदन है। जो हमें एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास से भर देता है। यह बेमिसाल ताकत उस विक्रम संवत की है, जिसे महाकाल की नगरी उज्जयिनी के पराक्रमी राजा सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांता शको को देश की सीमाओं से खदेडकर निर्णायक रूप से विजय को शाश्वत करने के उपलक्ष्य में 57 ईसा पूर्व चलाया गया।

लोक समाज इतिहास को अपने ढंग से संजोता और संरक्षित करता है। आज भी हमारे सभी तीज त्यौहार संस्कार व ज्योतिष गणनाएं ज्यादातर विक्रम सम्वत के हिसाब से ही होती हैं, आज भी विक्रम संवत सर्वमान्य है। विक्रम संवत भारत के अनेक संवतों में सर्वाधिक जीवनी शक्ति के रूप में उपस्थित रहा और आज भी प्रयोग में है। समूचे उत्तर भारत में तो यह जन्म से लेकर अंत तक प्रयुक्त होता है। यह सम्वत चंद्रमा पर आधारित है। विक्रम सम्वत को पहले कृत सम्बत के नाम से जाना जाता था। कुछ शिलालेखों में मालवगण का सम्वत उल्लिखित है,जैसे नरवर्मा का मंदसौर शिलालेख इसमें श्कृतश एवं श्मालवश सम्वत एक ही कहे गये हैं।राजस्थान के बरनाला में मिले एक प्राचीन शिलालेख में विक्रम सम्वत का उल्लेख है। भारत में मुस्लिम शासकों के सत्ता पर काबिज होने तक देश में मुख्य रूप से विक्रम और शक सम्वत ही प्रचलन में थे। बौद्ध साहित्य में भी इसका उल्लेख मिलता है।

विक्रम संवत का आरंभ गुजरात में कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से और उत्तर भारत में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है। मान्यता है कि वर्ष में 12 माह और 7 दिन का एक सप्ताह मान्य करने का प्रारंभ विक्रम सम्वत से ही हुआ। महीने का हिसाब सूर्य व चंद्रमा की गति पर आधारित है। ये बारह राशियों ही 12 सौर मास हैं। जिस दिन सूर्य जिस राशि में प्रवेश करता है उसी दिन संक्रांति होती है। पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा जिस नक्षत्र में होता है, उसी आधार पर महीनों का नामकरण हुआ है। चंद्र वर्ष सौर वर्ष से 11 दिन 3 घटी 48 पल छोटा हैए इसीलिए प्रत्येक 3 वर्ष में इसमें 1 महीना जोड दिया जाता है। जिसे अधिक मास कहते है। जिस दिन नव सम्वत का आरम्भ होता है, उस दिन के वार के अनुसार वर्ष के राजा का निर्धारण होता है। विक्रम सम्वत भारतीय संस्कृति विज्ञान और परंपरा का परिचायक है।

जल गंगा संवर्धन अभियान मां नर्मदा नदी डेम घाट से शुभारंभ

डिंडौरी । कलेक्टर नेहा मारव्या के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विक्रम संवत एवं चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर तीन माह तक आज दिन रविवार 30 मार्च से 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नर्मदा डेम घाट में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते विधायक विधानसभा क्षेत्र शहपुरा ओमप्रकाश धुर्वे अध्यक्ष नगरपालिका सुनीता सारस अध्यक्ष जिला पंचायत रूद्रेश परस्ते उपाध्यक्ष सारिका नायक पूर्व अध्यक्ष अवधराज बिलैया सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र राजपूत सांसद एवं मीडिया प्रभारी सुधीर तिवारी चमरू सिंह नेताम एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

जिला प्रशासन से मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार राठौर पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर एवं सरस्वती मां के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात जनप्रतिनिधियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान पर अपने उद्बोधन दिये। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने सम्बोधन कहा,कि जल गंगा संवर्धन शासन की एक नई पहल की शुरूवात की जा रही है,और उन्होंने कहा कि गंगा नर्मदा पवित्र नदियां है इनकी पवित्रता को बनाये रखने के लिए स्वच्छ रखना आवश्यक है। आज नदी नाले, झरने आदि स्त्रोतों का स्तर नीचे जा रहा है जिससे पार्यावरण के जीव-जन्तु पेड़-पौधे को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है। जनता को अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए तीन माह तक चलने वाले जल संवर्धन अभियान में अपने गांव शहर कस्बा तहसील जिला मुख्यालय के नदी नालें झरनें कुओं तालाब नहर आदि को स्वच्छ रखने पानी को संरक्षित एवं पेड़-पौधे लगाना अति आवश्यक है,क्योंकि जल ही जीवन है। शासन के साथ-साथ की जनता की सहभागिता नर्मदा की पवित्रता, पर्यावरण, नदी के किनारे बसे हुए बस्तियों को साफ करने हेतु नई तकनीकों का उपयोग कर नदियों को कैसे साफ-सुथरा रखा जायें,यह प्रयास किया जा रहा है ताकि भविष्य में पानी की समस्या न हो।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने उदबोधन में कहा कि जिले का जल का स्तर दिन-प्रतिदिन नीचे होते जा रहा है हम सब मिलकर संकल्प की वर्षा के जल को संरक्षित किया जाये, जिले के नदी, नाले झरना कुआँ तालाब डेम को साफ-सुथरा कर पानी कों संरक्षित किया जाये। साथ ही साथ हम संकल्प लें कि मां नर्मदा को स्वच्छ और पवित्र बनाये रखने के लिए शहर के गंदे नालें व कचड़ा फैलाने को रोककर हम एक अच्छे नागरिक बन सकते हैं। शासन ने हम सबकी सहभागिता को जल गंगा संर्वधन अभियान के माध्यम से एक अच्छी पहल की है। जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने अपने अपने सम्बोधन में जल संवर्धन और संरक्षण के विषय पर जागरूकता का सन्देश दिया सांसद कुलस्ते ने कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को जल संरक्षण अभियान की शपथ दिलाई।समस्त जनप्रतिनिधि अधिकारीयों ने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के साथ नर्मदा घाटों को सफाई की। इसी के अंतर्गत जिला प्रशासन के अलग अलग विभागों ने नर्मदा डेम घाट अंबेडकर घाट शंकर घाट रेंगी मोहल्ला घाट सुखखार डेम घाट एंव इमलीकुटी नर्मदा घाट में साफ-सफाई की। जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन ग्राम पंचायत विकासखंड तहसील नगर परिषद एंव जिला मुख्यालय स्तर पर आयोजन किया गया।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूल का समय परिवर्तन करने कलेक्टर को लिखा पत्र

डिंडौरी

शासकीय शिक्षक संगठन जिला अध्यक्ष राम कुमार गर्ग ने भीषण गर्मी को देखते हुए कक्षा पहली से बारहवीं तक के स्कूलों में शाला समय में परिवर्तन के लिए डिंडौरी कलेक्टर नेहा मारव्या सिंह को पत्र लिखकर स्कूलों की समय प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12.30 तक करने की मांग है। शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष का कहना कि भीषण गर्मी में सुविधाओं के अभाव को देखते हुए और छात्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय परिवर्तन की मांग की गई है।

हिन्दू-मुस्लिम भाइयों ने एक साथ किया रोजा इफ्तार, दिया भाईचारे का संदेश

राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में शुक्रवार को वार्ड नंबर 6 मस्जिद में रोजे का 26 वां नमाज पढ़ी गई। इस दौरान राज्य मंत्री कुटीर एवं ग्रामोद्योग स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल अल्पसंख्यक समुदाय के रोजा अफ्तार पार्टी में शामिल हुए। रोजा इफ्तार पार्टी में उपस्थित जनों में सांसद प्रतिनिधि वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेमचंद यादव, धनंजय सिंह उपाध्यक्ष नगर परिषद, धर्मेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष मिश्रा मोर्चा, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, सचिन द्विवेदी महामंत्री युवा मोर्चा, गिरिजा विश्वकर्मा पार्षद, रोहित यादव, अंबिकेश सोनी, सुनील गुप्ता, सुमित कौशिक थाना प्रभारी रामनगर सहित सभी लोगों का मुस्लिम समुदाय द्वारा स्वागत किया गया। इस इफ्तार पार्टी में गंगा जमुनी तहजीब की झलक यहां देखने को मिली। इफ्तार पार्टी में मुस्लिम समाज के बड़े-बुजर्ग, नौजवान व बच्चों के साथ हिन्दू भाइयों ने भी शिरकत की, सभी लोगों ने आपसी भाई-चारे की दुआ मांगी। राजनगर को मिनी इंडिया के नाम से जाना जाता है जहां सभी मजहब के लोग निवासरत हैं। हिन्दू - मुस्लिम भाई एक साथ रोजा इफ्तार में शामिल हुए। राजनगर में गंगा-यमुनी तहजीब के साथ सभी धर्म के लोग प्यार से रहते हैं। उन्होंने लोगों से अपील कि देश में शांति हो और हिन्दू-मुस्लिम को भड़काने जैसे प्रवृति लोग अपने आप को बदले। उन्होंने कहा कि नफरत फैलाने वाले लोगों को यह सोचना चाहिए यह देश हिंदू-मुस्लिम सद्भाव का है। आपसी भाईचारा बना रहे। अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से पूर्व अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष इफ्तिखार (सोनू) नसीमउल हक कादरी हाफी जी , नूर अली,शमशेर पठान, फिरोज खान, इमरान खान, बंटी, जावेद, नवीन खान,अफजल खान, इमरान अंसारी, समसुद्दीन, सुभान अली, परवेज आलम मुजफ्फर अली, रोजा इफ्तार कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेविका समिति द्वारा निकाली गई वाहन रैली

हिन्दू नव वर्ष के उपलक्ष्य में रैली के साथ नर्मदा तट पर किया गया भारत माता की आरती आयोजन

डिंडौरी–राष्ट्र सेविका समिति महाकौशल प्रान्त के जिला- डिंडौरी के द्वारा नव संवत्सर 5127,विक्रम संवत 2082 एवं चैत्र नवरात्र के अभिनंदन वाहन रैली निकाली गई। रविवार सांय 4 बजे भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया।रैली रानी दुर्गावती चौक से प्रारम्भ होकर कम्पनी चौक होते हुए नगर के मुख्यमार्ग से होते हुए चन्द्रविजय महाविद्यालय तक पहुंची।महाविद्यालय चौक से रानी अवन्ति चौक होते हुए रैली मुख्य माँ नर्मदा मंदिर पर पहुँची जंहा रैली का समापन किया गया। नर्मदा तट ग्लोब के पास राष्ट्र सेविका समिति की सेविका बहनों शाखा लगाकर प्रार्थना की ।यहां उल्लेखनीय है कि राष्ट्र सेविका समिति 5 प्रमुख उत्सव में से प्रथम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नव वर्ष मनाया जाता है।समिति की सेविकाओं इस पावन अवसर दीप जलाकर भारत माता की आरती कर नये वर्ष की खुशियां मनाई रैली व भारत माता की आरती में नगर की राष्ट्र सेविका समिति सेविकाओं के साथ नगर की माताओ व बहनों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

हिंदू नव वर्ष में अमरकंटक में विशाल शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में हिंदू नव वर्ष के पावन पर्व पर अमरकंटक में रविवार की सुबह से कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रूप से अमरकंटक के पार्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अमरकंटक के द्वारा विशेष शाखा व डाक्टर हेडगेवार के आदर्श पर मुख्य वक्ता के द्वारा विचार व्यक्त किया गया व परिचय एक दूसरे से किया गया फिर शाम चार से हजारों की संख्या हिंदू समाज अमरकंटक के सदस्यों के द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें भगवान राम व माता सीता माता की झांकी विशेष रहा जिसको सरस्वती मंदिर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया था पुरा राम धुन में समाहित होकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक स्वामी जगदीशानंद जी महाराज स्वामी हरस्वरूप जी महाराज नगर कार्यवाहक रणजीत सिंह ओम प्रकाश अग्रवाल प्रकाश अंबिका तिवारी रोशन पनारिया अंजना कटारे बबिता सिंह ऊषा पाण्डेय द्विवेदी दिनेश द्विवेदी अभिषेक द्विवेदी पत्रकार उमाशंकर पांडेय धनंजय तिवारी श्रवण उपाध्याय वह अन्य नगर के गणमान्य नागरिक संत समाज एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून

जिले में भोलगढ़ से जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ, 30 जून तक चलेगा अभियान

अनूपपुर।

विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने कहा है कि जीवन के लिए जल बहुत ही महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये सभी नागरिकों को आगे आना होगा। जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए सभी नागरिकों को एकजुट होकर समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तालाबों को सहेजने की आवश्यकता है। सभी को मिलकर प्रयत्न करना होगा कि तालाबों में पानी हमेशा भरा रहे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पहल पर दूसरी बार जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पर्यावरण, प्रकृति तथा जल के संरक्षण के लिए महती भूमिका निभा रहा है। विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह आज अनूपपुर जिले के ग्राम पंचायत बरबसपुर के अंतर्गत ग्राम भोलगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधायक अनूपपुर द्वारा रहीम दास के दोहे रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून के माध्यम से जल के महत्व को लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा शुद्ध एवं स्वच्छ जल को घर-घर तक पहुंचाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन एवं प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान आज अर्थात 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जाएगा। उन्होंने सभी से अभियान में सहभागिता निभाने और जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अपना-अपना योगदान देने का आहान भी किया।

विधायक ने श्रमदान कर किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने ग्राम भोलगढ़ के ससन तालाब में श्रमदान कर जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया तथा जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लोगों का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने हेतु अपील भी की। विधायक ने जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शपथ दिलाई तथा जल के उपयोगिता के संबंध में लोगों को जागरुक भी किया।

लगभग 3739 जल स्त्रोत के संवर्धन के कार्य स्वीकृत

जिले में लगभग 3739 जल स्त्रोत के संवर्धन के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसके अंतर्गत जनपद पंचायत अनूपपुर में 696 जनपद पंचायत जैतहरी में 1205 जनपद पंचायत कोतमा में 529 एवं जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में 1309 कर स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों में तालाब, कुआं, बावड़ी सहित अन्य जल स्त्रोतों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाल्मिक राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी लाल बहादुर वर्मा, सरपंच बरबसपुर बिसाहू लाल रौतेल, अन्य जन प्रतिनिधि सहित जिले के विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी व बड़ी संख्या में नागरिको ने सहभागिता की।

नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित किया गया अभियान

जल गंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर आज जिले भर के ग्रामीण एवं नगरीय निकायों में कार्यक्रम आयोजित किए गए जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों में जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए लोगों को प्रेरित भी किया गया इस अवसर पर जिले के महत्वपूर्ण जल स्त्रोतों पर कार्यक्रम आयोजित कर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया।

खबर संक्षेप

सेन समाज की बैठक आज

नरसिंहपुर। स्थानीय सदर मढ़िया प्रांगण में सेन समाज की बैठक सोमवार 31 मार्च शाम 5 बजे से रखी गई है। जिसमें सेन जयंती के आयोजन के संबंध मे रूपरेखा को लेकर तथा समाज के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जावेगी। सभी स्वजातीय बधुओं से उपस्थित होने की अपील सेन समाज नरसिंहपुर द्वारा की गई है।

निशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि आज

नरसिंहपुर। आयुक्त तकनीकी शिक्षा भोपाल के निर्देशन में कम्प्यूटर ऑन डिमांड एजुकेशन कार्यक्रम एक अप्रैल से शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में निरूशुल्क प्रारंभ किया जायेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सप्ताह का होगा। प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन सायं 4 बजे से सायं 5 बजे तक एक घंटे का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इच्छुक प्रतिभागी 31 मार्च तक अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आवेदक प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. बीएम बघेल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व्याख्याता प्रताप सिंह ठाकुर और सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नेकनारायण ठाकुर, विनोद पगारे और कु. साधना डेहरिया के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

48 आधार नामांतरण केन्द्र दे रहे सेवाएं

नरसिंहपुर। जिले के नागरिकों को आधार संबंधी कार्य कराने के लिए भटकना ना पड़े इस उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिला ई- गवर्नेंस सोसायटी नरसिंहपुर ने जिले में आधार नामांतरण केन्द्र की जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि नागरिक 48 आधार नामांतरण केन्द्र में जाकर आधार संबंधी कार्य करा सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बालक- बालिकाओं के नवीन आधार एवं आधार कार्ड में सभी अपडेट के लिए जनपद पंचायत चांवरपाठा के पास स्थित बीआरसी चांवरपाठा में दो, जनपद पंचायत चीचली के पास बीआरसी चीचली, बीआरसी ऑफिस करेली, गयादत्त वार्ड नरसिंहपुर स्थित सीएससी एएसके नरसिंहपुर, जनपद पंचायत नरसिंहपुर के पास बीआरसी नरसिंहपुर, सीएम राइज स्कूल के पास बीआरसी ऑफिस सांईखेड़ा, जनपद पंचायत ऑफिस सांईखेड़ा के पास बीआरसी सांईखेड़ा में आधार नामांतरण केन्द्र स्थापित है।

आज मनाई जाएगी ईद

नरसिंहपुर। रमजान मुबारक के रोजे के बाद ईद का चाँद नजर आ गया है, जिसकी शहादत कस्बाई इलाकों के अलावा अन्य शहरों से भी पाई गई है। लिहाजा सम्पूर्ण जिले मे 31 मार्च को ईद मनाई जावेगी। आज सुबह लगभग साढे आठ बजे ईदगाह नरसिंहपुर में जनाब कारी मोहम्मद दावर हुसैन साहब व जामा मस्जिद नरसिंहपुर में 9: 30 बजे हाफिज इमरान साहब ईदुल्फित्र की नमाज अदा कराएंगे और शहर व मुल्क के अमन चैन की दुआएं की जाएंगी।

विशाल कलश यात्रा के

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ

तेंदूखेड़ा चैत्रीय नवरात्रि के पावन पर्व पर श्री देव लक्ष्मीनारायण बांके बिहारी मां हरसिद्धि जी की कृपा से मिठया परिवार के द्वारा हरसिध्दि मंदिर परिसर में पं कृष्णांक मिश्रा के द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का गुणानुवाद रविवार 3को विशाल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ।कलश यात्रा के साथ शुरू होने वाले इस ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान 1 अप्रैल को श्री राम रसिया भक्त मंडल का संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं 2 अप्रैल को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।5 अप्रेल को विशाल भंडारे के साथ कथा विश्राम होगी। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।

सम्राट विक्रमादिय नाट्य का हुआ मंचन

युवा पीढ़ी को विक्रमोत्सव मनाए जाने की देनी होगी जानकारीः मंत्री श्री सिंह

कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री

नरसिंहपुर। प्रदेश स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय के देव श्री नरसिंह मंदिर परिसर में विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन व दीप प्रज्वलित कर ब्रह्मध्वज वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन की प्रस्तुति प्रवीण नामदेव के निर्देशन में दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे व उपाध्यक्ष अजीत जाट, पं. रामस्नेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, डॉ. हरगोविंद पटेल, राजीव ठाकुर, श्रीमती निशा सोनी, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी और नागरिक मौजूद थे।

गौरव व उत्सव का दिन है आज

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने नव संवत्सर, विक्रम संवत- 2082 और चैत्र नवरात्र की शुभकामनायें देते हुए कहा कि देश व प्रदेश में यह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। आज सही मायने में गौरव व उत्सव का दिन है। आमतौर पर 31 दिसम्बर को जागकर नया वर्ष मनाते हैं, जबकि यह यूरोपीय संस्कृति में मनाया जाता है, इसका अनुसरण हमने किया है। शायद ही कल रात को किसी ने इस नव संवत्सर की मंगल शुभकामनायें किसी को दी हो। आज का युग परिवर्तन का युग है। हमारी संस्कृति विश्व की श्रेष्ठ संस्कृतियों में से एक है। आज इस कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी सहभागिता कर रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भारत के विश्व गुरू बनने की संकल्पना साकार होने वाली है। आदि शंकराचार्य से लेकर हमारे धर्मगुरू इसे स्थापित करने में जुटे हैं। आज पूरे प्रदेश में धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रम संवत को प्रदेश में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पूर्वजों को स्मरण व श्रद्धासुमन अर्पित करने का अवसर है। देश में कितनी भी विपरीत परिस्थिति हो, लेकिन मां नर्मदा व भगवान श्री नरसिंह की कृपा हमेशा जिले में बनी रहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 30 मार्च से 30 जून तक प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जल संरक्षण की दिशा में यह कार्य जनसहयोग के द्वारा ही संभव हो सकता है। कार्यक्रम में मंत्री श्री सिंह ने बताया कि जब वे सांसद थे तो नरसिंह मंदिर जीर्णोद्धार व नरसिंह तालाब के लिए डेढ़ करोड़ रुपये की राशि सांसद निधि से दी थी। गाडरवारा शहर में भी तालाब का निर्माण किया जा रहा है जिससे शहर की सुंदरता और बढ़ जाएगी।यहाँ पर बैडमिंटन कोर्ट, जिम, टॉय ट्रेन, वाटर फाउंटेन, पाथ वे और भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगायी जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि एक अप्रैल से विद्यालयों में प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम पूरे प्रदेश में किया जाएगा। उन्होंने जन प्रतिनिधियों से आह्वान किया है कि अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाये। हाल ही में कक्षा पाँचवी एवं कक्षा आठवीं की परीक्षा का परिणाम आया है, जिसमें नरसिंहपुर जिले ने अव्वल रैंक हासिल की है। इसके लिए सभी को हार्दिक बधाई। हमारे प्रदेश के जनजातीय जिला डिंडोरी ने भी शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं इसके लिए भी डिंडोरी जिले को बधाई।

700 खेत- तालाब बनाने का लक्ष्य

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सभी को नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति में मनाए जाने वाले त्योहार पंचांग के हिसाब से ही तय होते हैं। वास्तव में नववर्ष की शुरुआत आज ही के दिन से होती है। हमारी युवा पीढ़ी एक जनवरी को नववर्ष मनाती है। विक्रम संवत पंचांग का अपना विशेष महत्व है। युवा पीढ़ी को यह जानकारी हो इसके लिए मनाया जा रहा है। आज के दिन पूरे प्रदेश में यह आयोजन किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत भी आज से की जाये। इसके तहत जिले में अगले तीन महीने में लगभग 700 खेत- तालाब बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हमारे जिले के किसान जिनके पास अधिक भूमि है वह खेत तालाब बनाने के नवाचार को अपना सकते हैं। यह सतही जल और भूजल के जलस्तर में वृद्धि के साथ किसानों को उनकी फसलों में सिंचाई, मत्स्यपालन, सिंघाड़ा उत्पादन आदि के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जन का लाभ प्रदान करेगा। पं. रामसनेही पाठक ने कहा कि प्रतिपदा, नव संवत्सर, हिन्दू नव वर्ष और गुड़ी पड़वा आज चैत्र नवरात्र से शुरू होता है। आज का दिन सूर्य उपासना का दिन है। आज ही के दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था। यह जानकारी नई पीढ़ी को मिले, इसलिए इस तरह के आयोजन किए जाने चाहिए। दुनिया जिस कैलेन्डर पर चल रही है, उससे 57 साल पहले हमारा कैलेण्डर आ चुका था। हम प्रतिवर्ष विक्रमोत्सव मनाएंगे।

रीछई नाले में हुआ 60 बोरी से बंधान

नरसिंहपुर। प्रदेश सहित जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जायेगा। इसी क्रम में मप्र जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में रीछई नाले में 60 बोरी से बंधान कर जल का संरक्षण किया गया। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद जय नारायण शर्मा व विकासखंड करेली समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक के मार्गदर्शन में करेली सेक्टर के सुआतला के ग्राम रीछई में नवांकुर संस्था रमपुरा, पिपरहा व नन्ही झामर के तत्वाधान में बोरी बंधान किया गया। मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री शर्मा ने बताया कि जल संरक्षण व संवर्धन, भूमिगत जल में वृद्धि, ग्रीष्म ऋतु में पशु- पक्षियों को पीने का पानी, हरियाली, पानी के संग्रह से सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता, सब्जी उत्पादन और लोगों को गर्मी में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इस उद्देश्य से स्थानीय रीछई नाले पर 60 बोरी बंधान किया गया। इस अवसर पर सचिव ग्राम पंचायत रीछई रणधीर सिंह लोधी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था रमपुरा के भगवान सिंह, राजा लोधी, नवांकुर संस्था नन्ही झामर के रघुनंदन लोधी, नवांकुर संस्था पिपरहा से राधेश्याम मलाह, सहित आम नागरिक मौजूद थे।

मंत्री श्री सिंह ने सुनी मन की बात

नरसिंहपुर

गत दिवस भाजपा जिला कार्यालय में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनता से संवाद के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का 120 वें संस्करण मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह व भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने देखा एवं सुना इस अवसर पर मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात का कार्यक्रम जीवन मूल्यों में बदलाव लाने के लिए प्रेरक है। मन की बात प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम तो है ही साथ देश भर के अनेक नवाचार को आत्मसात करने का मौका भी देता है तथा एक सफलता की कहानी पेश कर आमजनो को अपने जीवन मे बेहतर करने की प्रेरणा व मार्गदर्शन भी देता है। मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान व्यक्ति को जीवन में स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेदिक दवाइयां के बारे में जागृत किया व स्वस्थ रखने मे आयुर्वेद एवं योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की। मंत्री श्री राव ने सर्व समाज से प्रत्येक माह होने मन की बात सुनने की अपील की। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर जिला महामंत्री डॉक्टर हरगोविंद पटेल,ठाकुर राजीव सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति काकोड़यि, उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष हरिप्रताप ममार, जिला कोषाध्यक्ष नीलकमल जैन, जिला कार्यालय मंत्री कमल सिंह जाट सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम दिवस मां शैलपुत्री का हुआ पूजन अर्चन

मंदिरों मे रही भीड़, लगते रहे माता के जयकारे

नरसिंहपुर। रविवार को सुबह से ही मंदिरों मे भक्तों की भीड़ नजर आने लगी और नगर माता के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शक्ति की आराधना का महापर्व चैत्र नवरात्र जोर शोर से श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर जहां नवरात्र के पहले दिन सुबह से मंदिरों में मातारानी को जल अर्पित करने वाले श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। वहीं शाम को होने वाली मातारानी की महाआरती में समूचे मंदिर परिसर माता रानी के जयकारों से गुंजायमान हो रहे हैं। जिला मुख्यालय पर चैत्र नवरात्र के अवसर पर मनाए जाने वाले सामूहिक जवारा उत्सव की शुरूआत भी घटकलश जवारा स्थापना को लेकर समीति द्वारा तैयारियां की जा रही है। उल्लेखनीय है, शहर में मनाया जाने बाला सामूहिक जवारा उत्सव पूरे जिले में सबसे बड़ा जवारा उत्सव होता है।

माता के दरबार पर हुई विशेष साज सज्जा

हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत्सर 2082 और चैत्र नवरात्रि आज रविवार से शुरू हो गए हैं। नवरात्रि के पहले दिन देवी दुर्गा के माता शैलपुत्री रूप की पूजा की जा रही है। लोगों ने सूर्य को अर्ध्य दे शंख और घंटी बजाकर नए साल के पहले का स्वागत किया। इसके बाद अपने-अपने घरों में केसरिया ध्वज फहराए। नवरात्र के पावन पर्व में जिला मुख्यालय के नरसिंहपुर क्षेत्र स्थित बड़े पुल के समीप काली माता मंदिर सहित सदर मढ़यिा, स्टेशन क्षेत्र स्थित खेरापति मंदिया, प्रताप नगर गली नंबर 17 और कंदेली क्षेत्र में स्थित सभी माता मंदिरों के साथ करेली के हरई माता, मदार टेकरी माता मंदिर रंग बिरंगी रोशनी से जगमगा रहे हैं। इन मंदिरों में शाम को होने वाली महाआरती में भी बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं और बच्चे मातारानी की भक्ति में जुटे हुए हैं। नवरात्र के प्रथम दिन से ही जगह - जगह जवारों की स्थापना की जा रही है।

मां त्रिपुर सुंदरी का हुआ दिव्य श्रृंगार

नवरात्र के पहले दिन से ही मंदिरों और घरों में सप्तशती के पाठ के साथ गुप्त एवं विशेष अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन राजराजेश्वरी मां त्रिपुर सुंदरी धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने मां के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए। यह दिव्य धाम विशेष धार्मिक महत्व रखता है। यहां मां त्रिपुर सुंदरी, चैसठ योगिनी और तिथियों की नित्या देवियों की प्रतिमाएं एक ही परिसर में मंदिर के पास ही ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती की तपस्थली, परमहंसी गंगा आश्रम है। यह आश्रम साधकों और भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। आश्रम का शांत वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है। नवरात्रि के पहले दिन माता का विशेष श्रृंगार किया गया। श्रद्धालु मां के दरबार में पूजा-अर्चना कर सुख-शांति की प्रार्थना कर रहे हैं। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन चल रहा है। भक्तों के सुगम दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु इस पावन अवसर पर मां त्रिपुर सुंदरी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

सिंधी समाज ने निकाली विशाल रैली

नरसिंहपुर। गत दिवस झूलेलाल जयंती पर नगर सिंधी समाज द्वारा झूले मंदिर से विशाल वाहन रैली निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्गो से होते हुये झूलेलाल मंदिर पर सम्पन्न हुई जहां पर सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल का भव्य पूजन अर्चन किया।

10 किलो गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र गोटेगांव पुलिस द्वारा लगभग 1 लाख कीमत की 10 किलोग्राम अवैध गांजा के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। थाना गोटेगांव पुलिस टीम के भ्रमण के दौरान रेल्वे फाटक गोटेगांव पास रेल्वे ट्रेक के किनारे थोडी दूर पर कच्ची रोड पर पेड के नीचे 01 महिला एवं एक पुरूष जो ट्राली बैग एवं एक बोरी लिये खडे थे जो पुलिस को देखकर ट्राली बैग एवं बोरी को छुपाने लगे एवं पुलिस के पास जाने पर दोनों भागने लगे तब पुलिस स्टाफ द्वारा घेराबंदी कर दोनों संदेहियों को गवाहों के समक्ष पकड कर तलाशी लेने पर ट्राली बैग एवं बोरी में 05-05 नग पैकेट मे लिपटा सूखा पत्ती जैसा पदार्थ जप्त हुआ जिसे पूछने पर दोनो ने गांजा होना स्वीकार किया है एवं परीक्षण पर गांजा होने की पुष्टि हुई अतः गोटेगांव पुलिस के द्वारा विस्तृत पूंछताछ करने पर दोनो आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 10 किलोग्राम गांजा जप्त किया गया एवं विधिवत कार्यवाही कर उक्त दोनो आरोपियों चंदन पिता गोपाल लोधी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम पोनिया थाना गोटेगांव जिला नरसिंहपुर श्रीमति रेखा पति हेमराज बाल्मीक उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम कठौतिया थाना गाडरवारा जिला नरसिंहपुर को न्यायालय के समक्ष पेश कर रिमाण्ड पर भेजा गया है।

शांति समीति की बैठक में विभिन्न विंदुओं पर हुई चर्चा

तेंदूखेड़ा। विगत दिनों पुलिस थाना तेंदूखेड़ा परिसर में शांति समीति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें चैत्रीय नवरात्रि पर्व एवं ईद को लेकर परम्परागत रूप से हर्षोल्लास पूर्वक मनाये जाने पर चर्चा हुई। शक्ति साधना के महापर्व चैत्रीय नवरात्रि के दौरान प्रतिष्ठित देवी मठों पर सुबह सुबह जल चढ़ाने जाने वाली महिला वर्ग को सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात करने विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने की चर्चा हुई।श्री राम नवमीं हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा जबारे शोभायात्रा विसर्जन पर चर्चा हुई। वहीं नगर की विभिन्न प्रकार की गतिविधियों पर भी रोक लगाने अनावश्यक रूप से माहौल को बिगाड़ने वाली गतिविधियों पर विराम लगाने जैसे विंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में एस डी ओ पी नगर निरीक्षक के साथ साथ राजस्व विभाग एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

किसानों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी, नहीं सुनी जा रही किसानों की संमस्याएँ

तेंदूखेड़ा। राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के सदस्यों ने सामूहिक रूप से पुलिस थाना तेंदूखेड़ा में पहुंच कर विद्युत विभाग के विरुद्ध लिखित शिकायत की है कि ग्राम बिल्थारी के सैकड़ो किसान जो अपनी विद्युत कटौती के साथ साथ अन्य समस्याओं को लेकर विद्युत कार्यालय मे सुनाने ओआईसी महोदय के पास जाते हैं लेकिन महोदय आफिस में उपस्थित नहीं मिले। उन्हें फोन पर सूचित करने पर भी किसी भी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी ।जब वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया तब ओ आई सी कार्यालय में उपस्थित हुए । उनके द्वारा किसानों से सही तरीके से बात नहीं की बल्कि किसानो से कर्मचारियों के बीच तीखी बहस हुई मामले को हवा देते हुए ओआईसी महोदय ने किसानों के नाम थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा को कार्यवाही करने के लिए आवेदन दिया है।इसकी जानकारी लगते ही राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के विभिन्न ग्रामों से पहुंचे बड़ी संख्या में किसानों ने थाना तेंदूखेड़ा में एक ज्ञापन के माध्यम से वस्तुस्थिति से अवगत कराया। किसान संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी किसान पर दुर्भावनावश कोई कार्यवाही की गई तो समस्त किसान समाज में आक्रोश उत्पन्न हो जाएगा और किसान सड़कों पर उतरने मजबूर हो जायेगा।जिसके परिणाम ठीक नहीं होगें ।किसानों ने मांग की है कि खेती के लिए 10 घंटे बिजली मिले अटल ज्योति 24 घंटे बिजली मिले।अन्नदाताओं से विद्युत बिलों को बढ़ा कर जबरन वसूली को लेकर कुर्की कर अपमानित किया जा रहा है।जिसे तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाये। इस मौके पर संगठन के बसंत खेरोनिया यशवंत पटेल छोटेलाल पटेल महेश पटेल गिरधारीलाल पटेल राजेश खेरोनिया सुरेंद्र डढोर राजाराम नरेंद्र पटेल मनोज पटेल सुदामा प्रसाद डालचंद चौधरी देवीसिंग ठेकेदार तुलाराम मान नन्हेलाल चेतराम पटेल अभिषेक रिछारिया सतीश पटेल सहित बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।